



https://printo.it/pediatric-rheumatology/IN_HI/intro

रयूमैटिक बुखार एवं स्ट्रेप्टोकोकल रैक्टिवि गठिया

के संस्करण 2016

स्ट्रेप्टोकोकल से जुड़ा रैक्टिवि अर्थराइटिस

क्या है?

बच्चों एवं वयस्को में स्ट्रेप्टोकोकल संक्रमण से जुड़ा अर्थराइटिस का वर्णन किया गया है। इसे पोस्ट-स्ट्रेप्टोकोकल अर्थराइटिस कहा जाता है।

पोस्ट-स्ट्रेप्टोकोकल अर्थराइटिस 8 से 14 वर्ष आयु के बच्चों एवं 21 से 27 वर्ष के युवा वयस्कों में पाया जाता है। गले के संक्रमण के पश्चात 10 दिन के अंतरगत में इसके लक्षण पाये जाते हैं। इस बीमारी में बड़े जोड़ों के अलावा, हाथ के छोटे जोड़ एवं रीढ़ की हड्डी पर भी असर होता है। रयूमैटिक बुखार वाले आर्थराइटिस के मुकाबले यह अर्थराइटिस 2 महनिं या अधिक समय तक चलता है।

इसके साथ हल्का सा बुखार एवं प्रदाह दर्शाने वाली जांच जैसे (सी0आर0पी, ई0एस0आर0) में खराबी आ सकती है। कनिंतु इनकी मात्रा रयूमैटिक बुखार की तूलना में कम होती है।

अर्थराइटिस, नव स्ट्रेप्टोकोकल संक्रमण का प्रमाण, असामान्य स्ट्रेप्टोकोकल एंटीबॉडी जांच (ए0एस0ओ0 डी0एन0एस0बी) एवं "जोन्स क्रायटेरिया" के लक्षणों का अभाव ही पोस्ट-स्ट्रेप्टोकोकल अर्थराइटिस के नदान का आधार है।

पोस्ट-स्ट्रेप्टोकोकल अर्थराइटिस एवं रयूमैटिक बुखार दो वभिन्न बीमारियाँ हैं। पोस्ट-स्ट्रेप्टोकोकल अर्थराइटिस वाले मरीज में हृदय प्रदाह नहीं होता है। रोकथाम के लिये अमैरिकन र्हाट असोसियेशन ने लक्षण के शुरुआत के पश्चात एक साल तक एंटीबायोटीक देने की सलाह दी है। इन मरीजों में हृदय प्रदाह का परिक्षण एवं एकोकार्डियोग्राफी जांच से ध्यान रखना जरूरी है। हृदय प्रदाह पाये जाने पर इनका ईलाज रयूमैटिक बुखार के जैसा करना चाहिये। 1 वर्ष तक हृदय प्रदाह न होने पर एंटीबायोटीक दवाइयां बंद की जा सकती हैं। हृदयरोग विशेषज्ञ के सम्पर्क में रहना आवश्यक है।